वो लड़का जो भेड़िया-भेड़िया चिल्लाया

पुनर्कथन : टेरेसा म्लावर

चित्र : ओल्गा कुएलर

वो लड़का जो भेड़िया-भेड़िया चिल्लाया

पुनर्कथन : टेरेसा म्लावर

चित्र : ओल्गा कुएलर

ADAPTED BY / ADAPTADO POR
Teresa Mlawer

ILLUSTRATED BY / ILUSTRADO POR
Olga Cuéllar

Once upon a time, there was a young shepherd boy named Peter. He lived with his parents in a village on a hillside. Peter took care of the other villagers' sheep to make some money and help his parents.

एक बार की बात है, पीटर नाम का एक युवा चरवाहा लड़का था. वह अपने माता-पिता के साथ पहाड़ी पर स्थित एक गाँव में रहता था. पीटर कुछ पैसे कमाने और अपने माता-पिता की मदद करने के लिए अन्य ग्रामीणों की भेड़ों की देखभाल करता था.

Every day, Peter took the sheep to the hilltop. From there, he could see all the houses in the village. He always went with Lucas, his sheep dog, who helped him herd the sheep together.

पीटर हर दिन भेड़ों को पहाड़ी की चोटी पर ले जाता था. वहां से वह गांव के सभी घरों को देख सकता था. वह हमेशा अपने चरवाहे कुत्ते लुकास के साथ जाता था, जो भेड़ों को एक-साथ चराने में उसकी मदद करता था.

Before Peter left the house to take care of the sheep, his mother prepared a basket with food. She also warned him to watch out for any wolves that might be on the prowl in search of sheep.

इससे पहले कि पीटर भेड़ों की देखभाल के लिए घर से निकलता, उसकी माँ उसे भोजन की एक टोकरी देती थी. माँ उसे भेड़ की तलाश में आने वाले किसी भी भेड़िए से सावधान रहने की चेतावनी भी देती थी.

Looking after sheep was a boring job. Peter was always alone and he would often keep busy by counting sheep during the day or the stars at night.
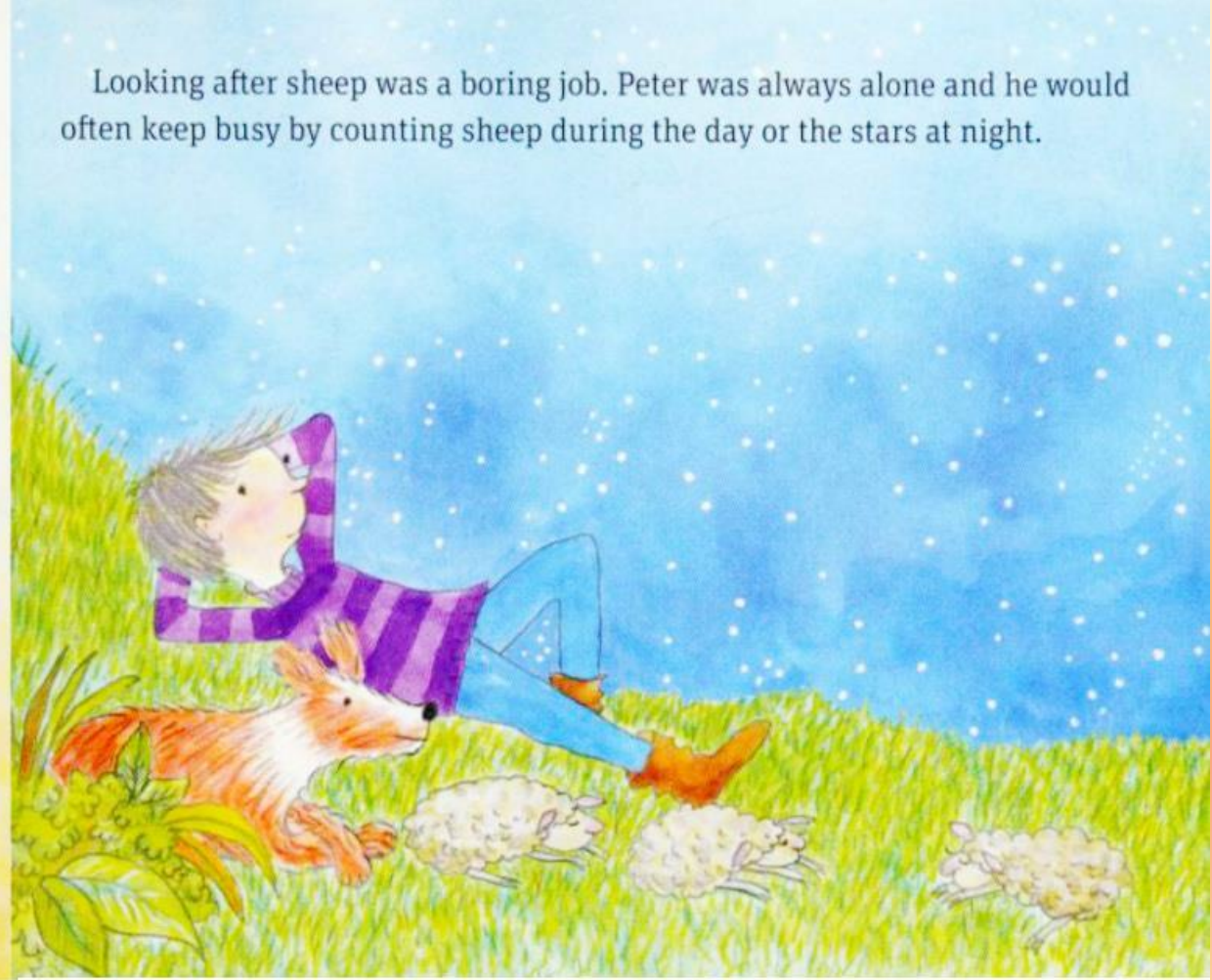
भेड़ों की देखभाल करना एक उबाऊ काम था. पीटर हमेशा अकेला रहता था और वह अक्सर दिन में भेड़ें गिनने में या रात में तारे गिनने में व्यस्त रहता था.

One morning, when Lucas had gone off to chase some rabbits, Peter got so lonely and bored he decided to play a trick on the villagers. He started shouting in the direction of the village, “Wolf! Wolf! The wolf is coming!”.

एक सुबह, जब लुकास कुछ खरगोशों का पीछा कर रहा था, तो पीटर को इतना अकेलापन और ऊब महसूस हुई कि उसने गांववालों के साथ एक चाल खेलने का फैसला किया. उसने गाँव की ओर मुंह किया और ज़ोर से चिल्लाने लगा, "भेड़िया! भेड़िया! भेड़िया आ रहा है!"

सभी गाँव वाले अपने सब्जी के बगीचों में काम करने में व्यस्त थे. जब उन्होंने लड़के के चिल्लाने की आवाज़ सुनी तो वे भेड़िये को भगाने और अपनी भेड़ों को बचाने के लिए अपने खेती के तुरंत औजारों से लैस होकर पहाड़ी की ओर भागे.

जब गाँववाले पहाड़ी की चोटी पर पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि उनकी भेड़ें शांति से चर रही थीं, लेकिन पीटर वहां से नदारद था.

Fearing the worst, the villagers began to search for the boy.
"Peter! Peter! Where are you?" they shouted.
Finally, his mother spotted him hiding behind a rock, roaring with laughter.

"Peter, your irresponsible behavior has given us all a terrible fright," his mother said. "You must apologize to everyone right away."

Peter felt very bad, so he looked at the villagers and said, "I'm truly sorry. I will never do it again."

अनहोनी की आशंका से गांववालों ने बालक की तलाश शुरू की. लोग ज़ोर-ज़ोर से "पीटर! पीटर! तुम कहाँ हो?" चिल्लाए.

अंत में पीटर की माँ ने उसे एक चट्टान के पीछे छिपे हुए, हँसी से दहाड़ते हुए देखा.
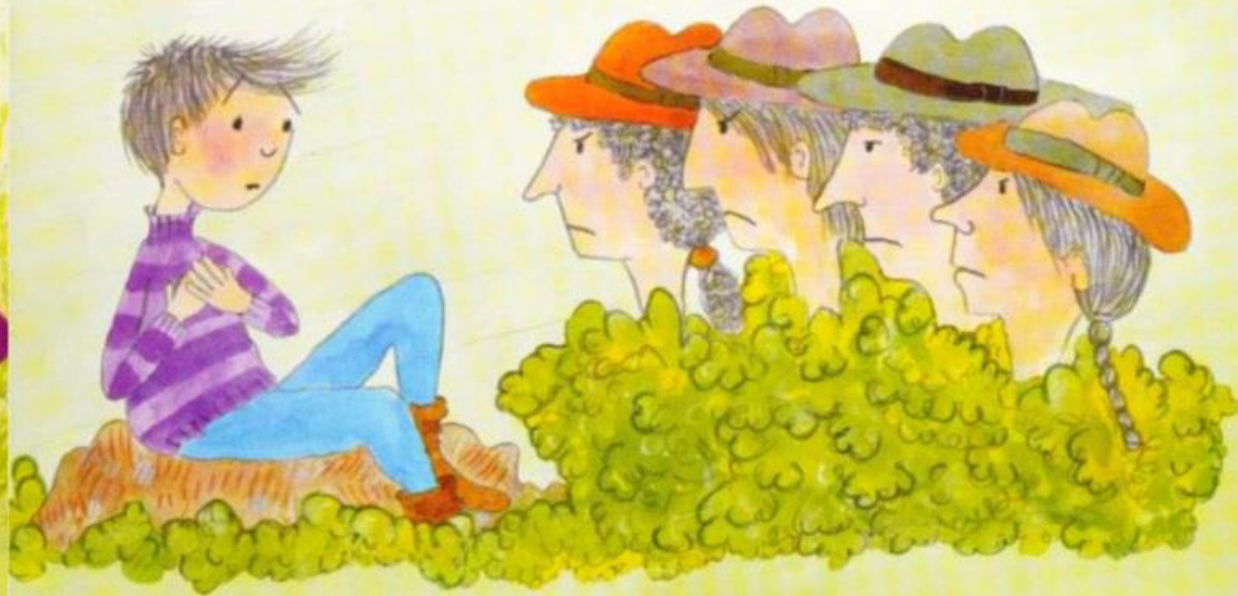
"पीटर, तुम्हारे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार ने हम सभी को भयानक डरा दिया," उसकी माँ ने कहा. "तुम्हें तुरंत सभी लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए."

पीटर को बहुत बुरा लगा, इसलिए उसने गाँव वालों की ओर देखकर माफ़ी मांगी. "मुझे सचमुच खेद है. मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा."

For a few days, Peter kept his word, but one afternoon he began to feel lonely and bored again. Forgetting his promise, he raced to the top of the hill and again started shouting, "Wolf! Wolf! The wolf is coming!"

कुछ दिनों तक पीटर ने अपनी बात रखी, लेकिन एक दोपहर वह फिर से अकेलापन और ऊब महसूस करने लगा. अपना वादा भूलकर वह पहाड़ी की चोटी पर दौड़कर गया और फिर से चिल्लाने लगा, "भेड़िया! भेड़िया! भेड़िया आ रहा है!"

This time, many of the villagers paid no attention to Peter's cries for help. They thought he was playing another one of his tricks. However, his parents and a few other people ran to the top of the hill to help Peter, but when they arrived they found him laughing hysterically.

इस बार, कुछ ग्रामीणों ने मदद के लिए पीटर की पुकार पर कोई ध्यान नहीं दिया. उन्हें लगा कि वह दुबारा से कोई चाल चल रहा होगा. हालाँकि, उसके माता-पिता और कुछ अन्य लोग पीटर की मदद करने के लिए पहाड़ी की चोटी पर भागे, लेकिन जब वे वहां पहुंचे तो उन्होंने पीटर को फिर से पागलों की तरह हंसते हुए पाया.

The villagers were very angry with Peter. They warned him they would not come if he cried wolf again.

After realizing how foolishly he acted, Peter promised himself he would not play any more tricks that would upset his parents and the villagers.

Peter continued to take the sheep to the hilltop every day. He kept himself busy by playing with Lucas or reading a book. Then one evening, as he was resting under a tree, he heard a noise. When he looked down he saw two red lights glowing at him from the nearby bushes.

गांव वाले पीटर पर बहुत नाराज हुए. उन्होंने उसे चेतावनी दी कि यदि वह दोबारा इस तरह चिल्लाएगा तो वे नहीं आएंगे.

यह महसूस करने के बाद कि उसने कितना मूर्खतापूर्ण काम किया, पीटर ने खुद से वादा किया कि वह आगे से ऐसी कोई चाल नहीं चलेगा जिससे उसके माता-पिता और गांव वाले परेशान हों.

पीटर प्रतिदिन भेड़ों को पहाड़ी की चोटी पर ले जाता रहा. वह लुकास के साथ खेलकर या किताब पढ़कर खुद को व्यस्त रखता था. फिर एक शाम, जब वह एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था, उसे एक आवाज़ सुनाई दी. जब उसने नीचे देखा तो उसे पास की झाड़ियों में से दो लाल चमकती हुई आँखें दिखाई दीं.

Peter quickly realized he was looking into the eyes of a fierce wolf that was staring at his sheep. He jumped to his feet, ran to the edge of the hill and cried out, “Wooolf! Wooolf! The wolf is here! He’s taking the sheep!”

The villagers heard his cries, but not a single one of them ran to help him.

पीटर को तुरंत एहसास हुआ कि वह एक भयंकर भेड़िये की आँखों को देख रहा था जो उसकी भेड़ों को घूर रहा था. वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया, पहाड़ी के किनारे पर भाग गया और ज़ोर से चिल्लाया, "भेड़िया! भेड़िया! भेड़िया यहाँ पर आया है! वह भेड़ ले जा रहा है!" गाँव वालों ने उसकी चीखें सुनीं, लेकिन उनमें से कोई भी उसकी मदद के लिए नहीं दौड़ा.

Realizing that no one was going to come, Peter decided to take action and save the sheep himself.

He grabbed his food basket and threw it with all his strength, hitting the wolf on the snout.

Frightened, the wolf ran off into the forest.

यह महसूस करते हुए कि कोई नहीं आने वाला है, पीटर ने कुछ करने और भेड़ों को बचाने का फैसला किया.

उसने अपनी भोजन की टोकरी उठाई और उसे अपनी पूरी ताकत से भेड़िये की ओर फेंका और वो भेड़िये की थूथनी पर जाकर लगी. भयभीत होकर भेड़िया जंगल में भाग गया.

When he returned home that night, he told his parents what had happened. Although they were shocked, they listened to everything he had to say. When he finished they said,

"Peter, do you see what can happen when people don't tell the truth? We hope that you've finally learned your lesson. Still, we are very proud of you for being brave and saving the sheep all by yourself."

जब वह उस रात घर लौटा, तो उसने अपने माता-पिता को बताया कि क्या हुआ था. हालाँकि वे काफी हैरान थे, फिर भी उन्होंने उसकी सारी बातें सुनीं. जब पीटर ने अपनी बात समाप्त की, तो उन्होंने कहा,

"पीटर, तुमने देखा कि जब लोग सच नहीं बताते तो क्या होता है? हमें उम्मीद है कि तुमने आखिरकार अपना सबक सीख लिया. फिर भी, बहादुर होने और भेड़ों को अकेले बचाने के लिए हमें तुम पर बहुत गर्व है."